THE SCIENCE WORLD
A Monthly e Magazine
ISSN:2583-2212
Popular Article
December, 2024 Vol.4(12), 5312–5314

पशुपालन में संतुलित आहार एवं कुल मिश्रित राशन का महत्व

डॉ. कौशलेन्द्र कुमार, डॉ. आदित्य राज एवं डॉ. सुरभि कुमारी
पशु पोषण विभाग, बिहार पशु चिकित्सा महाविधालय, पटना-14
https://doi.org/10.5281/zenodo.14338765

परिचय

पशुपालन में कुल लगत का लगभग 60-70 प्रतिशत खर्च पशुओं के खान-पान पर होता है। परन्तु वर्तमान परिस्थिति में बदलते हुए जलवायु के कारण राज्य के पशुधन में कुपोषण के कारण पशु स्वास्थ एवं दूध उत्पादन काफी प्रभावित हो रहा है। पशुओं की कम उत्पादकता का कारण असंतुलित आहार एवं बाजार में उपलब्ध निम्न गुणवता वाला खाध्य पदार्थ भी है। व्यवसायिक डेरी उद्योग की सफलता के लिए संतुलित आहार अति-आवश्यक है। वैसा आहार जिसमें पशुओं के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्त्व उचित मात्र में उपलब्ध है उसे संतुलित आहार कहते हैं। राज्य के किसानों का ज्ञान पशु आहार के संघटित अपयवों के बारे में लगभग नगण्य है जिसको प्रशिक्षण के माध्यम से सुधरने की आवश्यकता है। संतुलित पशु आहार के माध्यम से पशुओं को उसकी मांग के अनुसार सभी पोषक तत्त्व के गणना के आधार पर पशुओं के उत्पादन के अनुरूप 24 घंटे के लिए दिया जाता है।

संतुलित पशु आहार का महत्व:-

- संतुलित आहार पशुओं के स्वस्थ्य एवं उच्चतम दुग्ध उत्पादन के लिए आवश्यक है।
- संतुलित आहार के द्वारा पशुओं में होने वाले उपापचय रोगों को रोका जा सकता है।
- यह पशुओं के रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखने में सहायक होता है।
- अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुओं में होने वाले अवाधित तनाव को संतुलित आहार खिलाकर कम किया जा सकता है।
- संतुलित आहार के माध्यम से पशुओं की पूर्ण आनुवंशिक क्षमता के अनुरूप उत्पादन लिया जा सकता है।
- संतुलित आहार हरे एवं सूखे चारे तथा दाना मिश्रण को एक अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है जो की बहुत ही स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होता है।

कुल मिश्रित राशन:-

पशुओं के खाने के दौरान आहार के अवयवों के चयन को रोकने के उधेश्य से पशु चारा एवं दाना को एक अनुपात में एकसाथ अच्छे से मिलाकर जो राशन तैयार किया जाता है उसे कुल मिश्रित राशन कहते हैं। यह राशन पशुओं को 24 घंटे के भीतर दिया जाने वाला एक मात्र आहार होता है जो उसकी जरुरत को पूरा करता है एवं पशु जिसको अपनी इच्छा अनुसार ग्रहण करता है।

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 09/12/2024

कुल मिश्रित राशन का महत्व:-

- विभिन्न अनुसंधान के अनुसार कुल मिश्रित राशन खिलाने से पशु की उत्पादकता में 5-8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है।
- इसको खिलाने से रुमेन का पी.एच. वांछित स्तर तक बना रहता है जिससे खाद्य पदार्थ की पचाकता अधिक होती है फलस्वरूप दूध में वसा की मात्रा में बढ़ोतरी होता है।
- इसको खिलाने से पशु के द्वारा आहार अवयव की चयन प्रक्रिया पर रोक लग जाती है, जिससे खाध्य पदार्थ की बर्वादी रुक जाती है।
- अनेको प्रकार के घटकों को कुल आहार में प्रयुक्त कर पशुओं के विभिन्न वर्गों को दिया जा सकता है जो कि सिमित घटकों द्वारा तैयार आहार की तुलना में बेहतर होगा एवं लागत भी कम आएगा।
- कुल मिश्रित राशन के उपयोग से रुमेन में जीवाणुओं द्वारा उत्पादित प्रोटीन की मात्रा को बढा कर पशु के उत्पादन क्षमता को बढाया जा सकता है।
- इसको खिलाने पर अलग से खनिज तत्त्व मिश्रण देनें की जरुरत नहीं पड़ती है।
- इसके उपयोग से आहार के विभिन्न घटकों के भंडारण तथा परिवहन पर होने वाले लगत को भी कम किया जा सकता है।
- इस आहार को खिलाने से कम लागत पर ज्यादा मुनाफा हो सकता है एवं पशु का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

कुल मिश्रित राशन की सर्वोतम ग्राहयता के लिए चेकलिस्ट:-

- आद्रता स्तर 35-40 प्रतिशत तक होना चाहिए
- पशुओं को अनुमानित ग्राहियता से लगभग 5-10 प्रतिशत अधिक आहार देना चाहिए
- अस्वादिष्ट अवयव का निम्नतम स्तर पर उपयोग करना चाहिए
- आहार के सभी घटकों एवं कुल मिश्रित राशन की गुणवता की जाँच अवश्य कारवां चाहिए
- कुल मिश्रित राशन के नमी स्तर का अधिकतम 50 प्रतिशत तक किन्वत आहार, हरा चारा, साईंलेज, हे, इत्यादि को मिलाकर प्राप्त किया जा सकता है। इन आहारों का इससे अधिक उपयोग हानिकारक होता है।
- आहार खिलाने का स्थान साफ-सुथरा होना चाहिए एवं बारिश का पानी नहीं आना चाहिए
- कुल मिश्रित राशन में प्रोटीन एवं नामक के स्तर की जाँच समय-समय पर करना चाहिए
- पशुओं के लिए साफ पिने के पानी उपलव्ध होना चाहिए (200-220 लीटर प्रति गाय)
- राशन में उपलव्ध रेशों का भी जाँच होना चाहिए

कुल मिश्रित राशन की सफलता के कारक:-

- अच्छी गुणवता वाली पशु चारा का उपयोग
- विभिन्न वर्गों के पशुओं के लिए अलग–अलग मिश्रित राशन
- आहार के सभी अवयवों का सही माप एवं सही नमी का संधारण
- राशन सही तरह से संतुलित हो
- ड्राई अदूधारू गायों के लिए ट्रांजीशन आहार देना
- पशुओं को उसकी जरुरत के अनुसार शुष्क पदार्थ का संधारण

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 09/12/2024

कुल मिश्रित राशन को तैयार करने के चरण:-

- सबसे पहले पशुओं में आहार की मांग के अनुसार, हरे चारे, सूखे चारे एवं अनाज व खनिज लवण की गणना करना तथा हरे एवं सूखे चारों को छोटे-छोटे टुकड़ों में मशीन से काटकर तैयार करना
- दिए जाने वाले दानों का सही माप करना
- खनिज मिश्रण एवं अन्य अपयवों का सही मात्रा में माप कर मिश्रित करना
- अंत में आहार के सभी अपयवों जैसे हरा चाराए सुखा चारा, दाना, खनिज मिश्रण, इत्यादि को अच्छी तरह से ब्लेंडर की मदद से मिक्स करना
- कुल मिश्रित राशन को पशुओं को खाने के लिए उपलब्ध कराना

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 09/12/2024